प्रेस विज्ञप्ति 15-2-2014

ब्रह्माकुमारीज़ में दिखाई देता है, आ ध्यात्म एवं विज्ञान का सुन्दर सम्बन्ध- राकेश मेहत्ता

आज हम देखते हैं कि विज्ञान भी उन्हीं चीजों को साबित करती है, जो उसके सामने हैं, विज्ञान के नियम भी समय प्रति समय बदलते रहते हैं। विज्ञान आध्यात्मिकता को सिद्ध नहीं कर सकती। मैने अनुभव किया कि ब्रह्माकुमारीज़ में अध्यात्म एवं विज्ञान का बहुत सुन्दर सम्बन्ध दिखाई देता है, ये विचार दिल्ली एवं चण्ड़ीगढ़ राज्य के चुनाव आयुक्त, राकेश मेहत्ता जी ने, **गुड़गाँव**, ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ा कलां, पटौदी रोड़ स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में प्रशासनिक प्रभाग द्वारा आयोजित डायलॉग के अवसर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मैं समय प्रति समय ओआरसी एवं मॉउन्ट आबू जाता रहता हूँ। मुझे यहाँ आकर अपने अन्दर विशेष शक्ति का अनुभव होता है। डायलॉग का मुख्य विषय ट्रैंसेंड़िंग हॉरिजनस् रिड़िसकवरिंग फ्रीड़म पर बोलते उन्होने कहा कि वर्तमान समय मानव बाहरी एवं भौतिक प्रभावों के कारण अपनी सच्ची स्वतन्त्रता खो चुका है, इसके लिए आवश्यकता है हमें अपने अन्दर स्वयं की सच्ची पहचान करने की। श्री नारायण स्वामी (चैयरमैन, पब्लिक ग्रिवेन्स कमिशन, पूर्व मुख्य सचिव, भारत सरकार) ने कहा कि आज परिवार में, कार्यालय में अनेक प्रकार के दबावों के कारण बहुत तनाव बढ़ गया है जिससे कि जीवन को मैनेज करना बहुत कठिन हो गया है, आज मुझे ये सौभागय प्राप्त हुआ है जो कि ऐसे सुन्दर आध्यात्मिक वातावरण में इस विषय पर हम अपने अनुभव बाँटें एवं सही समाधान खोजें।

श्री वी॰ ईश्वरया (चैयरपर्सन, नेशनल कमिशन फार बैकवर्ड एवं पूर्व मुख्य न्यायाधीश, हैदराबाद) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था एक बहत सुन्दर कार्य कर रही है; जो समाज में एक आध्यात्मिक जागृति ला रही है। आज हम देखते हैं कि कई बार अपने ही बनाये हुए नियमों से कम्प्रोमाइज़ करना पड़ता है जिसका मूल कारण हमारी अपने अन्दर की शक्ति की ही कमी है। श्री विद्या भूषण, पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि बिना

आध्यात्मिक जागृति के भ्रष्टाचार नहीं मिट सकता। जो हमारे पास है हमें उसका आनन्द लेना चाहिए। आज विदेशी संस्कृति से हम सिर्फ गलत चीजों की ही नकल करते हैं, जरूरत है हमें उनसे अच्छी बातें सीखनें की।

ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी (निदेशिका, ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर) ने कहा कि मुझे प्रशासन के क्षेत्र में पहले कोई अनुभव नहीं था, लेकिन जब से ओआरसी में प्रशासनिक सेवाओं का अवसर मिला तो अनेक प्रकार के व्यक्तियों से किस प्रकार कार्य-व्यवहार में आना है, पता चलता गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन के क्षेत्र में कई बार हम इतने दृढ़ हो जाते हैं कि किसी व्यक्ति की बैकग्राउन्ड जाने बगैर ही उस पर नियमों को इम्पोज़ करना शुरू कर देते हैं। हमें कई बार परिस्थितियों को भी समझना पड़ता है। आज हमें लोगों पर सिर्फ बाहरी रूप से शासन नही करना है, बल्कि हम अपने कार्य-व्यवहार को कुछ इस तरह बनायें ताकि हम उनके दिलों पर शासन कर सकें।

उन्होंने कहा कि हम दूसरों की अच्छाई के बारे में सुनते हैं लेकिन उसे अपने जीवन में नहीं लाते, दूसरों के अनुभवों से हमें सीखना है। कोई भी एक घटना हमें रोशनी दे सकती है। हमारी दादीजी कहती हैं कि जब कोई क्रोध करें तो हमें उस पर रहम आना चाहिए, क्योंकि क्रोध कोई शक्ति नहीं है, ये एक बहुत बड़ी कमजोरी है, क्रोध कोई भी व्यक्ति तभी करता है जब वो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाता। कार्यक्रम का संचालन ब्र०कु० रंजना बहन ने किया एवं हैदराबाद से आई हुई ब्र० कु० राधिका बहन ने सभी मेहमानों का अपने शब्दों के द्वारा स्वागत किया।

कैप्शन- 1. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

2. राकेश मेहता अपने भाव व्यक्त करते हुए।

3. आशा दीदीजी सम्बोधन करते हुए।

4. वी० ईश्वरया जी अपने विचार व्यक्त करते हुए।